सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 66 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 9 अप्रैल, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विनर्स वो नहीं होते जो कभी फेल नहीं होते, बल्कि वो होते हैं जो कभी हार नहीं मानते।
-अर्नाल्ड श्वाजनेगर

कोलकाता नाइटराइडर्स पर भारी पड़े... 7 | कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मचा... 3 | भ्रष्टाचारियों को पालती है बीजेपी... 2

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में सीटों पर बनी बात

इंडिया गठबंधन की मजबूती से घबराया राजग

कांग्रेस 17 और शरद पवार की पार्टी 10 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

» शिवसेना (यूबीटी) 21 सीटों पर ठोंकेगी ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मोदी सरकार व बीजेपी को 2024 लोक सभा चुनाव में मात देने के लिए एकबार फिर इंडिया गठबंधन ने कमर कस ली है। जहां उसके सभी नेता पूरे देश में घूम-घूम कर सरकार की कमियों को जनता के बीच उठा रहे। इसी के साथ कांग्रेस व उनके सहयोगी सीट बंटवारें पर भी सहमत होने लगें हैं। जम्मू-कश्मीर में नेंका व कांग्रेस के बीच बात बनने के बाद सबसे महत्वपूर्ण राज्य महाराष्ट्र में भी बात बन गई है। वहीं इन सहमतियों से राजग की भी मुश्किलें बढ़ने लगीं हैं।

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में शामिल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एससीपी) के बीच सीट शेयरिंग पर बात बन गई है। उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) कुल 48 सीटों में से सबसे अधिक 21 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं कांग्रेस 17 और शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एससीपी) 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तीनों दलों के सांगली, भिवंडी और मुंबई नॉर्थ सीट पर टकराव बना हुआ था। हालांकि अब तस्वीर साफ हो गई है. भिवंडी सीट पर एनसीपी (एससीपी) लड़ेगी. गठबंधन समझौते के तहत सांगली सीट शिवसेना (यूबीटी) और मुंबई नॉर्थ सीट कांग्रेस के खाते में गई है। सीट शेयरिंग फॉर्मूले की घोषणा के लिए एमवीए ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। इसमें शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और एनसीपी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस इन सीटों पर ठोंकेगी ताल

नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा गोंदिया, गडचिरोली चिमूर, नांदेड, जालना, उत्तर मध्य मुंबई, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर, रामटेक और नार्थ मुंबई पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस का घर-घर गारंटी कार्यक्रम शुरू

चुनावों से पहले, कांग्रेस के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, हमने घर-घर गारंटी कार्यक्रम शुरू किया है। हम घरों में 8 करोड़ गारंटी कार्ड वितरित कर रहे हैं। राहुल गांधी प्रचार कर रहे हैं और इसलिए क्या प्रियंका गांधी हैं...मुख्य रूप से, हमारे पास तीन सुपर-स्टार प्रचारक हैं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा विभिन्न राज्यों में प्रचार कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे गुट के उम्मीदवारों की लिस्ट

बुलढाणा से नरेंद्र खेडेकर, यवतमाल-वाशिम से संजय देशमुख, मावल से संजोग वाघेरे-पाटिल, सांगली से चंद्रहार पाटिल, हिंगोली से नागेश पाटिल आष्टीकर, छत्रपति संभाजीनगर से चंद्रकांत खैरे, धाराशिव से ओमराज निम्बालकर, शिरडी से भाऊसाहबर वाघचौरे, नासिक से राजाभाई वाज, रायगढ़ से अनंत गीता, सिंधुदुर्ग-रत्नागिरी से विनायक राउत, ठाणे से राजन, मुंबई-उत्तर पूर्व से संजय दीना पाटिल, मुंबई-दक्षिण से अरविंद सावंत, मुंबई-उत्तर पश्चिम से अमोल कीर्तिकर, परभणी से संजय जाधव, मुंबई दक्षिण मध्य से अनिल देसाई, कल्याण से वैशाली दरेकर, हातकणांगले से सत्यजीत पाटिल, जलगांव से करण पवार और पालघर से भारती कामडी को टिकट मिला है।

एनसीपी (शरद पवार) की लिस्ट

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने लोकसभा चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। पार्टी ने भिवंडी सीट से सुरेश म्हात्रे को मैदान में उतारा है और बीड सीट से बजरंग सोनावणे को टिकट दिया है। इसके अलावा सुप्रिया सुले को बारामती लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है।

यूपी में डबल इंजन सरकार ने युवाओं के साथ किया धोखा: जयराम

» कांग्रेस ने योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा से पहले मंगलवार को आरोप लगाया कि देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि नई नौकरियों के सृजन और पेपर लीक की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के पास क्या दृष्टिकोण है? प्रधानमंत्री मोदी आज पीलीभीत में जनसभा को संबोधित करेंगे।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज, प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में हैं। यह एक ऐसा राज्य है जहां युवाओं को भाजपा की डबल इंजन सरकार ने धोखा ही धोखा दिया है। शायद आज प्रधानमंत्री अपने दिखावटी भाषणों के बीच राज्य के युवाओं की इन समस्याओं पर बात करें। उन्होंने कहा पिछले साल मुख्यमंत्री योगी ने वादा किया था कि वह अगले 3-4 वर्षों में राज्य में दो करोड़ नई नौकरियों के अवसर पैदा करेंगे। याद करें, यह वही वादा है जो प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आने से पहले किया था।

बेरोजगारी ने वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया

हम जानते हैं कि इसके बाद क्या हुआ - बेरोजगारी ने वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों ने दो करोड़ नौकरी देने के वादे के अनुसार पिछले दशक में क्या किया है? उन्होंने यह प्रश्न भी किया कि प्रधानमंत्री के सहयोगी अब वही वादे क्यों कर रहे हैं जिन्हें प्रधानमंत्री पूरा करने में विफल रहे हैं? उन्होंने जानना चाहा कि उत्तर प्रदेश और भारत के रिकॉर्ड बेरोज़गारी संकट को हल करने के लिए भाजपा के पास क्या दृष्टिकोण है?

मुख्तार के बेटे अब्बास पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

» पिता के फातिहा में शामिल होने के लिए डाली रिट

» कपिल सिब्बल रखेंगे दलील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने पिता के फातिहा में शामिल होने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार का फातिहा 10 अप्रैल को पढ़ा जाना है। लाइव लॉ के मुताबिक, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत में विधायक अब्बास की याचिका का उल्लेख किया है।

सिब्बल इस मामले में अब्बास की ओर से दलीलें रखने वाले हैं। अब्बास आर्म्स लाइसेंस केस में फिलहाल उत्तर प्रदेश की कासगंज जेल में बंद है। मुख्तार की 28 मार्च को बांदा के एक मेडिकल कॉलेज में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। पूर्वांचल का डॉन कहे जाने वाला मुख्तार लंबे समय से बांदा जेल में बंद था। मुख्तार को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में स्थित मोहम्मबाद के कालीबाग कब्रिस्तान में 30 मार्च को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

भ्रष्टाचारियों को पालती है बीजेपी : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार में अन्याय चरम पर, इस बार जनता हटा देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा भी फिर एकबार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग भ्रष्टाचार खुद करते हैं। भ्रष्टाचारियों को खुद पालते-पोसते हैं और आरोप विपक्षी दलों पर लगाते हैं। कहा कि देश इस बार तानाशाही करने वाली सरकार को हटा देगा। भाजपा की दस साल की सरकार में अन्याय व अत्याचार चरम पर है। अखिलेश ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने नोटबंदी से लेकर इलेक्टोरल बॉन्ड तक न जाने कितने भ्रष्टाचार किए हैं।

इन सबकी जांच हो जाएगी तो यह देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार साबित होगा। भ्रष्टाचार करके ही भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। भ्रष्टाचार के पैसे से भाजपा सारे अलोकतांत्रिक व अनैतिक कार्य कर लोकतंत्र और संविधान को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सत्ता में आने के बाद किसानों, नौजवानों और व्यापारियों के हित में फैसले लेगा। महंगाई व बेरोजगारी कम करेगा। जनता को राहत देने का काम करेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नवरात्र पर सभी के सुख-समृद्धि और कल्याण की शुभकामना करते हुए कहा कि इन पर्वों से हमें परस्पर सौहार्द, सद्भाव तथा शुचिता का संदेश मिलता है।

सपा प्रमुख व कांग्रेस प्रदेश प्रभारी में हुई बातचीत

यह सहमति सोमवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व अजय राय के साथ हुई वार्ता में बनी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि आज अखिलेश यादव के साथ हुई वार्ता में यूपी में इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली व सभा पर चर्चा हुई है। इंडिया गठबंधन की रैली जल्द होगी। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव आदि प्रमुख नेता उपस्थित होंगे। जल्द ही इसकी तिथि की जानकारी दी जाएगी।

लखनऊ में होगी सपा-कांग्रेस की संयुक्त रैली

इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भी अपनी एकजुटता व ताकत दिखाने का काम करेगा। इसके लिए हाल में दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई गठबंधन के दलों की संयुक्त रैली की तर्ज पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी इंडिया गठबंधन के दलों की संयुक्त रैली होगी। हालांकि इससे पहले नवरात्र में ही कांग्रेस और सपा की संयुक्त रैली पश्चिमी उत्तर प्रदेश में होगी।

पीएम के करीब जाते ही शिकायत करना भूल गए सीएम : तेजस्वी

» राजद नेता ने नीतीश के मोदी के पैर छूने पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लालू प्रसाद के बेटे और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार का मखौल उड़ाते हुए कहा, उम्मीद है कि नीतीश को मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनकी शिकायतें याद होंगी, जिनके बारे में उन्होंने कहा था। उन्होंने कहा, जब राज्य में हमारे गठबंधन का शासन था तो वह सहयोग की कमी का आरोप लगाते थे। तेजस्वी राजद-जदयू की पूर्ववर्ती महागठबंधन सरकार में उप मुख्यमंत्री थे।

तेजस्वी ने निशाना साधते हुए कहा, लेकिन, मैं उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। हालात ऐसे हो गए हैं। मैं अभी भी उनके (प्रधानमंत्री मोदी के) पैर छूने और राजग के लिए 400 सीट की कामना करने के दृश्य से उबर नहीं पा रहा हूं। तेजस्वी का इशारा रविवार को वायरल हुए एक वीडियो की ओर था जिसमें नवादा की एक चुनावी सभा में नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथित तौर पर पैर छूते हुए देखा जा सकता है।

जिसको जो श्रेय लेना है ले लोग सब जानते हैं : नीतीश

वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लोकसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने का दावा करते हुए राज्य में रोजगार सृजन का श्रेय लेने के लिए पूर्व सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा। पटना में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत के दौरान कुमार ने राजग के चुनाव प्रचार अभियान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, सबकुछ ठीक चल रहा है। हम बिहार में सभी सीट पर जीत दर्ज करेंगे। हम अपना प्रचार नही करते लेकिन लोग जानते है कि हमने उनके लिए क्या किया है। कुमार ने हाल ही में कुछ जनसभाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा किया था। राजद द्वारा राज्य में रोजगार सृजन का श्रेय लेने के के सवाल पर उन्होंने कहा, हमारे सत्ता में आने के बाद ही सभी विकास कार्य हुए। उन्हे (राजद) जो चाहे दावा करने दीजिए। वे बिना कुछ किए ही श्रेय चाहते है। कुमार ने यह भी रेखांकित किया कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने ही सभी विकास कार्यों को मंजूरी दी और उन्हे शुरू किया।

रायबरेली से लड़ सकती हैं प्रियंका

» अमेठी के लिए राहुल के नाम पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी को उतारा जाना लगभग तय है। सूत्रों के मुताबिक, इसकी औपचारिक घोषणा होना भर ही शेष है। वहीं, अमेठी सीट पर अभी संशय बना हुआ है। यहां से राहुल गांधी और दीपक सिंह या विपक्ष के साझा प्रत्याशी के रूप में वरुण गांधी का नाम चल रहा है। रायबरेली और अमेठी लोकसभा क्षेत्र गांधी परिवार का गढ़ माना जाता है। रायबरेली से अभी सोनिया गांधी सांसद है, लेकिन वर्ष 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के राहुल गांधी को हराकर अमेठी सीट छीन ली थी।

सोनिया राज्यसभा सांसद बन चुकी हैं। अब यहां से प्रियंका को ही उतारने का निर्णय लिया गया है। कांग्रेसजन अमेठी से राहुल के लड़ने की मांग कर रहे हैं। लेकिन, राहुल वहां से चुनाव लड़ने के ज्यादा इच्छुक नहीं हैं। यहां से पूर्व एमएलसी दीपक सिंह का नाम आगे चल रहा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि इंडिया खेमे में इस प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा कि पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी को विपक्ष के साझा प्रत्याशी के रूप में अमेठी से उतारा जाए।

कांग्रेस के न्याय पत्र से डरे मोदी : अविनाश

» पार्टी पूरी ताकत से यूपी में लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग और लेफ्ट की छाप होने के सवाल पर अविनाश पांडेय ने कहा कि पीएम मोदी कांग्रेस के घोषणा पत्र से डरे हुवे हैं। वह जुमले करते हैं। उनके घोषणा पत्र में हर किसी को 15 लाख देने, किसान की आय दोगुनी करने आदि का वादा पूरा नहीं हुआ है। इसमें केंद्र की असफलता साफ दिख रही है। उनको देश के उत्थान, कल्याण को कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल करना तकलीफ दे रही है।

उन्होंने कहा कि पीएम विष फैलाने और देश को बांटने का काम बंद करें।अविनाश पांडेय ने कहा कि प्रदेश में इंडिया गठबंधन के साथ समन्वयक कर पूरी 80 सीटों पर हम प्रचार कर रहे हैं और जीतेंगे भी। कुछ सीटों पर प्रत्याशी बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह अफवाह है। हमने पूरा जांच परखकर टिकट दिया है और मिलकर संयुक्त रूप से प्रत्याशियों को जिताएंगे। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में यूपी में पार्टी को जीत दिलाने के इरादे से जिलों के पदाधिकारियों के साथ चिंतन मनन शुरू कर दिया है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अलग-अलग अवध, प्रयागराज, पूर्वांचल व बुंदेलखंड जोन की बैठक की। इसी के साथ सभी फ्रंटल संगठनों महिला विंग, यूथ विंग, एनएसयूआई, लीगल सेल, सेवादल के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की। इसमें पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वह सपा के साथ प्रदेश में बूथ स्तर पर संयुक्त रूप से समन्वयक कर चुनाव की तैयारी करें। जहां बूथ स्तर पर कमेटियां अभी नहीं बनी हैं, उन्हें तुरंत बनाकर चुनाव में मिशन मोड में जुट जाएं। पान्डेय ने उन्होंने कहा कि सपा के साथ सकारात्मक समन्वयक के साथ जिला, ब्लॉक व राज्य स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। पार्टी प्रदेश में 814 ब्लॉक व बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को तैयार कर दमदारी से चुनाव मैदान में है। एनडीए गठबंधन को इस बार इंडिया गठबंधन हराएगा।

बूथ स्तर पर करें चुनाव की तैयारी

अमेठी-रायबरेली के टिकट में देरी रणनीति का हिस्सा

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय ने कहा है कि राजनीति में रणनीति एक महत्वपूर्ण चीज होती है। इसी के तहत अमेठी, रायबरेली में प्रत्याशी की घोषणा नहीं हो रही है। रणनीति के तहत केंद्रीय नेतृत्व इस सीट पर सही समय पर प्रत्याशी की घोषणा करेगा। इन सीटों से गांधी परिवार के लोगों और उनके आम लोगों का जुड़ाव है। आम लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत करा दिया गया है।

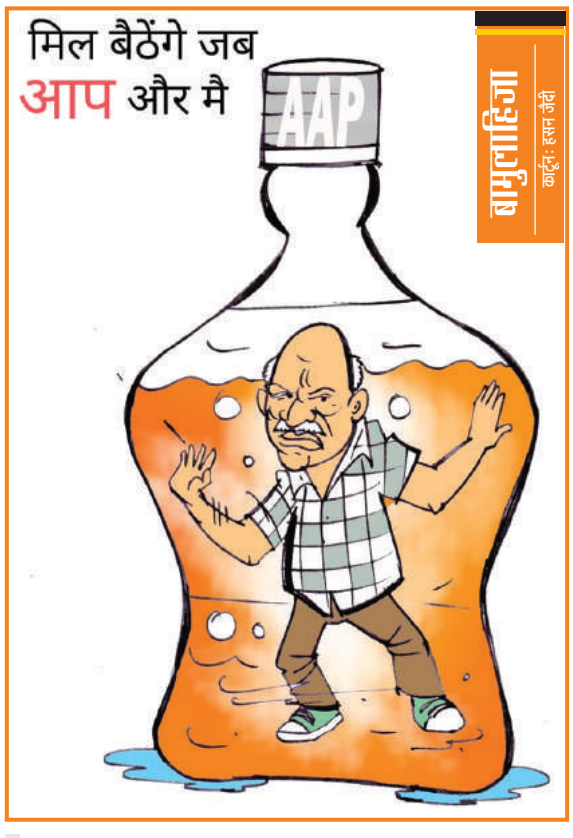

दिल्ली में फिर एलजी व आप में ठनी

» उपराज्यपाल की बैठक में नहीं शामिल हुए मंत्री, गृह मंत्रालय को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच टकराव जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को उपराज्यपाल सचिवालय ने केंद्रीय गृह सचिव को एक पत्र लिखकर दिल्ली सरकार की शिकायत की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद गृह मंत्रालय को भेजी गई यह दूसरी शिकायत है। इसमें कहा गया है कि चुनी हुई सरकार दिल्ली की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं। मंत्री बुलाने पर भी समस्याओं को दूर करने के लिए बैठक में नहीं आ रहे हैं।

बैठक नहीं होने के कारण स्वास्थ्य सुविधा, पानी की उपलब्धता के लिए ग्रीष्मकालीन कार्य योजना, शिक्षा, परिवहन, पर्यावरण सहित अन्य मुद्दों पर समस्या बनी हुई है। एलजी कार्यालय ने मंत्री को 29 मार्च और दो अप्रैल को बुलाया था, लेकिन मंत्री बैठक में नहीं आए। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत और आतिशी ने भी बैठक से दूरी बनाई। उपराज्यपाल के प्रधान सचिव के अपने पत्र में लिखा कि मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली की समस्याओं को दूर करने में बाधा न आए, लेकिन मंत्रियों ने बैठक की अनदेखी करी। इन बैठक में शामिल नहीं होने का तर्क अस्पष्ट है। यह दिल्ली के नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले मामलों के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। पत्र में लिखा कि मंत्री ने चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय व डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान में बुनियादी चिकित्सा आपूर्ति की गंभीर कमी पर प्रकाश डाला था। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ही चार अप्रैल की बैठक में नहीं आए।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मचा कोहराम

पार्टी बोली -पीएम की मानसिक स्थिति खराब

- नताओं में वार-पलटवार जारी
- मुस्लिम लीग का नाम लेकी फंसी बीजेपी
- भाजपा नेता भी विपक्ष पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में लोकसभा चुनाव को लेकर अब प्रचार जबरदस्त तरीके से जोर पकड़ता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर भाजपा व विपक्ष में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस के न्याय पत्र को जबसे भाजपा नेताओं ने मुस्लिम लीग का बताया है तबसे कांग्रेस भी आग बबूला हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पलटवार करते हुए कहा है कि बीजेपी के पुरखे ही मुस्लिम लीग के साथ मिले हुए थे। तभी वह उनकी ही भाषा बोल रहे हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मोदी ही नहीं बीजेपी के अध्यक्ष नड्डा समेत कई नेता गलत बताने में जुटे हैं। वही कांग्रेस के कई नेता यह कह रहे हैं कांग्रेस के घोषणा पत्र की योजनाओं से बीजेपी घबरा गई है इसलिए वह उल्टे-सीधे आरोप लगा रही है।

दरअसल कांग्रेस के घोषणा पत्र पर वार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सहारनपुर में मुस्लिम लीग को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार प्रचार कर रहे हैं। चुनावी मौसम में नाना करते हुए भी अब मुस्लिम लीग का जिक्र होने लगा है। कुछ नेता तो कांग्रेस के घोषणा पत्र को पाकिस्तान चुनाव की घोषणा पत्र बता रहे हैं। चुनावी मौसम में मुस्लिम लीग और पाकिस्तान का तड़का लगने के साथ ही प्रचार का टेस्ट भी बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। वार-पलटवार की राजनीति भी तेज हो रही है। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर वार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सहारनपुर में मुस्लिम लीग को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। बिहार के नवादा में नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि आम चुनाव के लिये पार्टी की ओर से जारी घोषणापत्र में ''तुष्टिकरण की राजनीति'' की बू आ रही है और ये ऐसा है मानो इसे मुस्लिम लीग लेकर आई है।

मोदी के राजनीतिक पूर्वज मुस्लिम लीग के समर्थक : खरगे

नरेंद्र मोदी के आरोप पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबा एक्स पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मोदी-शाह के राजनीतिक व वैचारिक पुरखों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भारतियों के ख़िलाफ़, अंग्रेज़ों और मुस्लिम लीग का साथ दिया। आज भी वो आम भारतियों के योगदान से बनाए गए कांग्रेस न्याय पत्र के ख़िलाफ़ मुस्लिम लीग की दुहाई दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था। नरेंद्र मोदी के आरोप पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबा एक्स पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मोदी-शाह के राजनीतिक व वैचारिक पुरखों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भारतियों के ख़िलाफ़, अंग्रेज़ों और मुस्लिम लीग का साथ दिया। आज भी वो आम भारतियों के योगदान से बनाए गए कांग्रेस न्याय पत्र के ख़िलाफ़ मुस्लिम लीग की दुहाई दे रहे हैं। महात्मा गांधी के आवाहन व मौलाना आज़ाद की अध्यक्षता वाले आंदोलन का विरोध किया। सभी जानते है कि आपके पुरखों ने 194 में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर बंगाल, सिंध और एनडब्लूउफ में अपनी सरकार बनाई। क्या श्यामा प्रसाद मुख़र्जी ने तत्कालीन अंग्रेज़ी गवर्नर को ये नहीं लिखा कि 1942 के देश व कांग्रेस के भारत छोड़ो आंदोलन को कैसे दबाना चाहिए? और इसके लिए वे अंग्रज़ों का साथ देने के लिए तैयार है? अपना वार जारी रखते हुए खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह व उनके मनोनीत अध्यक्ष आज कांग्रेस घोषणापत्र के बारे में उल्टी-सीधी भ्रांतियां फैला रहें हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी जी की भाषणों में केवल आरएसएस की बू आती है, दिन पर दिन भाजपा की चुनावी हालत इतनी खस्ता होती जा रही है, कि आरएसएस को अपने पुराने मित्र - मुस्लिम लीग - की याद सताने लगी है! सच केवल एक है - कांग्रेस न्याय पत्र में हिंदुस्तान के 140 करोड़ लोगों की आशाओं व आकांक्षाओं की छाप है। उनकी सम्मिलित शक्ति, मोदी जी के 10 सालों के अन्याय काल का अंत करेगी।

आरएएस से प्रभावित है बीजेपी

पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की आलोचना करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था। मोदी जी के भाषणों में आरएसएस की बू आती है। दिन पर दिन भाजपा की चुनावी हालत इतनी खस्ता होती जा रही हे और वह ओछी राजनीति करने पर उतर आई है भाजपा कैसे जोड़ रही लिंक भाजपा के मुताबिक मुस्लिम लीग ने 1936 के घोषणापत्र में कहा था कि वह मुसलमानों के शरिया व्यक्तिगत कानूनों की रक्षा करेगी। 2024 में कांग्रेस ने भी कहा है कि वह यह तय करेगी कि अल्पसंख्यकों के व्यक्तिगत कानून हों। 1936 में मुस्लिम लीग ने कहा था कि वह बहुसंख्यकवाद के खिलाफ लड़ेगी। कांग्रेस के 2024 के घोषणापत्र में कहा गया है कि भारत में बहुसंख्यकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। मुस्लिम लीग ने घोषणापत्र 1936 में कहा कि हम मुसलमानों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और नौकरियों के लिए लड़ेंगे। कांग्रेस ने 2024 में कहा कि हम मुस्लिम छात्रों को विदेश में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति सुनिश्चित करेंगे।

कांगेस का घोषणापत्र विभाजन का खाका : नड्डा

जेपी नड्डा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र विभाजन का खाका है, जिन्ना के मुस्लिम लीग एजेंडे की स्पष्ट प्रतिकृति है। राष्ट्रीय एकता पर तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता देकर, कांग्रेस विभाजन को कायम रखना चाहती है। भारत ने पहले भी ऐसी विभाजनकारी राजनीति को खारिज किया है और फिर भी ऐसा करेगा। भाजपा ध्रुवीकरण के इस खतरनाक रास्ते के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और सभी के लिए समावेशी शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा कुछ और नहीं बल्कि मुस्लिम लीग का छिपा हुआ एजेंडा है। यहां तक कि अपने घोषणापत्र में भी उन्होंने उल्लेख किया है कि वे व्यक्तिगत कानूनों को बनाए रखने की कोशिश करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का चुनाव घोषणापत्र भारत की तुलना में पड़ोसी पाकिस्तान में चुनाव के लिए अधिक उपयुक्त है। बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आप (कांग्रेस) मुस्लिम लीग के एजेंडे के छद्म भागीदार बन गए हैं जो इस देश में विभाजन और नरसंहार के लिए जिम्मेदार है। यही कारण है कि कांग्रेस नॉन परफॉर्मिंग पार्टी उसके नेता नॉन प्रोडक्टिव पप्पू बनते जा रहे हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा वोट बैंक हित को राष्ट्रीय सुरक्षा और हित से ऊपर रखा है। कांग्रेस का घोषणा पत्र इसका ज्वलंत उदाहरण है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बालिकाओं का पूजन ही नहीं सम्मान भी करें!

भारत के कुछ क्षेत्रों में आज भी बालिका के जन्म पर दुखी हो जाते हैं जबकि आज बालिकाएं हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं। पूरे देशवासियों को नवरात्र में इन कुरीतियों को तिलाजंलि देने की आवश्यकता है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है।

मंगलवार से पूरे देश में चैत नवरात्र का शुभारंभ हो गया। घर-घर मां दुर्गे का आगमन हो जाएगा और नौ दिन तक पूजा कार्य में लोग रत हो जाएंगे। पूजा के साथ लोगों को यह भी संकल्प लेना होगा देश में किसी बालिका को किसी प्रकार का कष्ट न हो। लोगों को बालिकाओं की रक्षा करने की शपथ लेनी चाहिए। भारत के कुछ क्षेत्रों में आज भी बालिका के जन्म पर दुखी हो जाते हैं जबकि आज बालिकाएं हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही हैं। पूरे देशवासियों को नवरात्र में इन कुरीतियों को तिलाजंलि देने की आवश्यकता है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है।

देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। हमें हमेशा यह सोचना चाहिए कि अगर महिलाएं सशक्त होंगी तो पूरे परिवार के साथ साथ पूरा क्षेत्र सशक्त बनेगा। महिलाओं अगर आगे बढ़ती हैं तो वह साथ साथ आत्मनिर्भर भी बनतीं हैं। इसलिए बेटी आगे बढ़ेगी तो हिन्दुस्तान आगे बढ़ेगा। इस नवरात्र में पूरे को बालिकाओं व महिलाओं के सम्मान के लिए आगे आने का संकल्पा लेना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी वेला में कच्चाथिवु के किंतु-परंतु

पुष्परंजन

रामेश्वरम से कच्चाथिवु द्वीप की दूरी मात्र 25.9 किलोमीटर है। श्रीलंका के बहुचर्चित जाफना जिले का हिस्सा है यह द्वीप। 1.6 किलोमीटर लंबे और 300 मीटर चौड़े इस द्वीप पर दस साल बाद अचानक से प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान गया है, वो भी सूचना के अधिकार की वजह से। तमिलनाडु के बीजेपी प्रेसिडेंट के. अन्नामलाई ने आरटीआई के जरिये यह जानकारी नहीं ली होती, तो क्या 'द्वीपहरण' का यह सनसनीखेज मामला दबा रह जाता? डीएमके ने जब केंद्र पर दोषारोपण शुरू किया, जवाब में विदेशमंत्री एस. जयशंकर बोले, 'मैंने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को 21 बार कच्चाथिवु द्वीप के बारे में जानकारी दी थी।' मगर, सवाल यह है कि पीएम मोदी को यह जानकारी आरटीआई से मिलती है, संबंधित मंत्रालय से क्यों नहीं मिली? इस प्रश्न का बेहतर उत्तर विदेशमंत्री एस. जयशंकर ही दे सकते हैं।

कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया।' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चाथिवु द्वीप को छोड़ दिया। इससे हर भारतीय नाराज है।' सबसे दिलचस्प इस राजनीतिक युद्ध में तथ्यों का छिपाना और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना भी रहा है। अशोक के. कंठ 2009 से 2013 के बीच कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त तैनात थे। उनका मानना है कि भारत ने जितना श्रीलंका को दिया, उससे कहीं अधिक बड़ा और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इलाका 1976 में हासिल कर लिया था। 23 मार्च, 1976 को भारत-श्रीलंका समझौते ने वाड्ज बैंक को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जिससे भारत को वहां के विपुल प्राकृतिक संसाधनों पर सार्वभौम अधिकार मिल गया था। अब सोचा जा सकता है कि यह डील मूर्खतापूर्ण थी, या कि दूरगामी रणनीतिक समझदारी वाली।

भारत ने 2024 की शुरुआत में ही वाड्ज बैंक इलाके में तेल की खोज के वास्ते टेंडर निकाला था, उस वजह से श्रीलंका ने स्वयं अपने मछुआरों को वहां जाने पर रोक लगा दी। दरअसल,

बीजेपी के लक्ष्य में तमिलनाडु का मछुआरा वोट बैंक है, उन्हें अपने आईने में उतारने को लेकर यह सारी कहानी बुनी गई है। गुजरात के बाद तमिलनाडु वो राज्य है, जहां समुद्री तटरेखा 1076 किलोमीटर लंबी है। तमिलनाडु के 38 में से 15 जिले तटीय हैं, जो पुदूचेरी समेत 40 लोकसभा सीटों में से आधे को प्रभावित करते हैं। मछुआरा समुदाय आये दिन श्रीलंकाई तटरक्षकों के हत्थे चढ़ता है। इनकी गिरफ्तारियां बीच समंदर होती हैं। इनके बोट जब्त होते हैं। कुछ हफ्तों बाद ये छूटते हैं, लेकिन इस बीच जमकर राजनीति होती है। तमिलनाडु फिशिंग रेगुलेशन एक्ट-1983 के अनुसार, 'राज्य के मछुआरे केवल तीन नॉटिकल माइल्स तक जाकर मछली का शिकार कर सकते हैं।' यों अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा नौ नॉटिकल माइल्स तक है, मगर बाज दफा मछुआरे उसे भी पार कर जाते हैं, परिणामस्वरूप वो पकड़े जाते हैं, फिर एक बड़ा इश्यू बनता है। जून, 2011 में, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर 1974 और 1976 के समझौतों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने जयललिता के तर्कों पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था, 'भारत से संबंधित कोई भी क्षेत्र नहीं दिया गया था, न ही संप्रभुता छोड़ी गई थी, क्योंकि इसका कभी सीमांकन नहीं किया गया था।' दोनों समझौतों की वैधता की पुष्टि अगस्त, 2014 में भारतीय अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने की थी। उन्होंने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढा के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ से कहा था, 'यदि आप कच्चाथिवु की वापसी चाहते हैं, तो आपको इसे पाने के लिए युद्ध में जाना होगा।'

श्रीलंका ने मुकुल रोहतगी के बयान के हवाले से सवाल करना शुरू किया है, कि क्या भारत, यूक्रेन युद्ध को इस इलाके में दोहराना चाहता है? श्रीलंका में भारत के तीन अत्यधिक सम्मानित पूर्व भारतीय उच्चायुक्त, शिवशंकर मेनन, निरूपमा राव और अशोक के. कंठ, जिनमें से दो ने बाद में विदेश सचिव के रूप में पद संभाला था, कच्चाथिवु पर पीएम मोदी के कमेंट्स से इत्तेफाक नहीं रखते। पीएम मोदी जिसे बेवकूफाना हरकत बताते हैं, वह समझौता 1974 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान दो श्रीलंकाई प्रधानमंत्रियों, डडले सेनानायके (1965-1970) और श्रीमती सिरिमाओ भंडारनायके (1970-1977) के अथक बातचीत के बाद संपन्न हुआ था।

सोशल मीडिया डाटा संग्रहण से उपजी साइबर सुरक्षा चिंताएं

अतनु बिस्वास

मार्च माह में अमेरिकी संसद में एक कानून लाया गया है जिसकी वजह से टिक-टॉक ऐप की मूल मालिक, चीन की विशालकाय तकनीक कंपनी 'बाईट-डांस' को मजबूरन या तो अपनी सोशल मीडिया ऐप बेचनी पड़ जाएगी या फिर तमाम अमेरिकी डिवाइसेज पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा। यह दर्शाता है कि तकनीक आधारित बड़ी कंपनियों को लेकर अमेरिकी कानून निर्माताओं के अंदर असहजता किस कदर है। जहां राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा है कि वे टिक-टॉक को बैन करने वाले कानून पर दस्तखत कर मंजूरी दे देंगे वहीं अभी यह पक्का नहीं है कि सीनेट में इस बिल का हश्र क्या होगा, और इससे बने प्रभाव न तो इतने सरल होंगे न ही सीधे। अमेरिका में लगभग 17 करोड़ टिक-टॉक यूजर्स हैं।

इस ऐप पर प्रतिबंध लगने से करोड़ों लोगों के रोजगार पर असर पड़ेगा। न केवल कलाकारों को एक मंच से महरूम होना पड़ेगा बल्कि देशभर में रोचक वीडियो बनाने वाले करोड़ों लोगों का धंधा प्रभावित होगा। इससे भी आगे, जैसा कि डोनाल्ड ट्रंप का कयास है, फेसबुक के दबदबे में इजाफा होगा। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय, जिसे एक वजह गिनाया जा रहा है, कहीं अधिक अहम है। वर्ष 2020 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी टिक-टॉक और वी-चैट को गैर-कानूनी घोषित करने वाला प्रस्ताव लाये थे लेकिन अगले राष्ट्रपति बाइडेन ने वह निर्णय उलट दिया। विभिन्न देशों में सरकारों ने साइबर सिक्योरिटी और निजता संबंधी चिंताओं के कारण टिक-टॉक प्रतिबंधित कर रखा है। भारत ने भी 2020 में टिक-टॉक और वी-चैट सहित चीन की दर्जनों एप पर रोक लगा दी थी। मार्च, 2023 में, टिक-टॉक के सीईओ शाउ जी चियु ने अमेरिकी संसदीय कमेटी के समक्ष हलफनामा दिया। सुरक्षा विशेषज्ञों को यकीन है कि अमेरिकी सरकार की चिंता मुख्यत: टिक-टॉक का उपयोग विदेशी जासूसी एजेंसियों द्वारा किए जाने की आशंका को लेकर है। अमेरिकी कानून-निर्माताओं की यह धारणा कायम है कि टिक-टॉक का संबंध चीन से होने की वजह से उनके देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को इससे गंभीर खतरा है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यहां तक कहा कि टिक-टॉक बंद करना ही होगा।

साल 2020 में वाशिंगटन पोस्ट अखबार और एक निजी अनुसंधान कंपनी द्वारा करवाए साझे अध्ययन का निष्कर्ष था, लगता नहीं कि टिक-टॉक ऐप औसतन किसी अन्य सोशल मीडिया मंच से अधिक यूजर्स डाटा इकट्ठा करती है। हालांकि यूआरएल जीनियस नामक मोबाइल मार्किटिंग कंपनी द्वारा 2022 में करवाए अध्ययन में बताया कि तमाम सोशल मीडिया ऐप में, यूट्यूब व टिक-टॉक यूजर्स डाटा पर अधिक निगाह रखते हैं। परंतु यदि टिक-टॉक के डाटा एकत्रण की तुलना फेसबुक या एक्स आदि से की जाए, तो वे भी बहुत अधिक सूचना संगृहीत करते हैं। इसमें वीडियो देखने वालों की विस्तृत जानकारी, उनके कमेंट, निजी मैसेज और यदि उन्होंने अनुमति दे रखी हो डाटा तक पहुंच का स्तर, उनकी सटीक जियो-लोकेशन और कॉन्टेक्ट लिस्ट इत्यादि से संबंधित जानकारी कंपनी इकट्ठा कर लेगी।

इसके अलावा, टिक-टॉक की प्राइवेसी स्टेटमेंट के अनुसार, यूजर्स डाटा जैसे ई-मेल एड्रेस, फोन नम्बर, आयु, सर्च एवं ब्राउसिंग हिस्ट्री, अपलोडेड इमेज और वीडियो संबंधी जानकारी और यदि उपभोक्ता ने स्वीकृति दे रखी हो तो उनके डिवाइस क्लिपबोर्ड की सामग्री तक पहुंच करके, एप्लीकेशन कंपनी उसको कॉपी-पेस्ट करने का अधिकार रखती है। कई अध्ययनों के अनुसार, जिस वक्त उपभोक्ता टिक-टॉक का उपयोग न भी कर रहा हो तब भी वह उसकी ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखती है। हालांकि टिक-टॉक कहना है कि वह इस जानकारी को अपने विज्ञापन व्यवसाय को विस्तार देने में बरतती है। न केवल टिक-टॉक बल्कि अन्य अनेक तकनीक आधारित बड़ी कंपनियां इसी किस्म के औजारों का उपयोग बड़े स्तर पर करती हैं। इसलिए टिक-टॉक तो आनलाइन निगरानी करने वाले इस व्यापक कार्पोरेट अर्थव्यवस्था तंत्र का महज एक पुर्जा है। जिन एप्लीकेशन्स का उपयोग हम करते हैं, उनमें कुछ हमारे बारे में जरूरत से ज्यादा निजी सूचना एकत्र करती हैं। मुख्यत: वे यूजर्स डाटा का उपयोग अपने लिए करती हैं ताकि उपभोक्ता के रुझान के मुताबिक उसको संबंधित वस्तु या सेवा का विज्ञापन दिखाया जाए। कंपनियां हमारी तरजीहों, कमियों और अभिरुचियों के बारे में इस तरह सूचना इकट्ठा कर ब्राउसिंग व्यवहार को प्रभावित करती हैं कि अक्सर हमें पता तक नहीं चलता।

हालांकि, खुद एप्लीकेशन से कहीं अधिक चिंता टिक-टॉक की मिल्कियत और प्रबंधन नीतियों को लेकर है। डर है कि बाईट डांस और इसके विस्तारित अंग के तौर पर टिक-टॉक को चीनी सरकार मजबूर कर सकती है कि वह विभिन्न सुरक्षा गतिविधियों में सहयोग करे, इसमें शायद डाटा ट्रांसफर करना भी शामिल है, क्योंकि अपने अधिकार क्षेत्र में चीनी सरकार कंपनियों पर बहुत अधिक नियंत्रण रखती है। एक चिंता यह भी है कि यदि टिक-टॉक के यूजर्स डाटा तक चीन की सरकार की पहुंच हो जाए तो वह इसका इस्तेमाल जासूसी करने के लिए कर सकता है। अन्य फिक्र है कि चीनी सरकार टिक-टॉक को मजबूर कर सकती है कि उपभोक्ता की अभिरुचियों को कुछ इस तरह प्रभावित करे कि वह साइट पर वही देखने लगे, जो उसे दिखाना चाहते हैं।

केसरिया दूध

रोजाना पीने से मिलते हैं सक्रिय लाभ

केसर क्रोकस सैटाइवस नामक फूल से निकालने के बाद मिलता है। हमारे घरों में अक्सर केसर का इस्तेमाल होता है लेकिन कभी भी हम लोगों ने इस पर खास ध्यान नहीं दिया। हालांकि यह थोड़ा महंगा जरूर है लेकिन इसके स्वास्थ्य फायदे आपको बीमार होने से बचाएंगे और कई रोगों से सुरक्षा भी प्रदान करेंगे। केसर और दूध का सेवन आप रोजाना रात को सोने से पहले भी कर सकते हैं जो आपको इसका सक्रिय लाभ दिखाएगा।

इसके अलावा अनिद्रा आजकल एक ऐसी समस्या बन गई है जो लोगों को स्ट्रेस के कारण भी होती है। ऑफिस और घर में ठीक तरह से तालमेल न होने के कारण भी लोगों को नींद ना आने की समस्या हो जाती है। वहीं, जब आप दूध के साथ केसर का सेवन सोने से आधे घंटे पहले करते हैं तो यह डिप्रेशन और स्ट्रेस के लेवल को कम करता है और आपको अच्छी नींद दिला सकता है।

सामान

1 लीटर दूध,10-12 केसर के धागे, चीनी , बादाम, पिस्ता, काजू

विधि

केसरिया दूध बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक पैन में दूध गर्म करें। इस दूध को अभी खौलाना नहीं है। जब दूध हल्का गर्म हो जाए तो इसमें भिगो कर रखे हुए केसर के धागे डालें। अब चीनी डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस दूध को धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। इसे पकाते वक्त लगातार चलाते रहें, ताकि ये नीचे से लगे नहीं। चीनी डालने के बाद दूध अक्सर नीचे लग जाता है। जब दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए और इसमें अच्छे से केसर का रंग चढ़ जाए तो गैस बंद कर दें। अब दूध के ऊपर बारीक कटे हुए बादाम, पिस्ता और काजू डालें। बस ये केसरिया दूध तैयार है। आप चाहें तो इसे गर्मागर्म ही पी सकते हैं। अगर चाहें तो रात में बनाकर इसे फ्रिज में रख दें और सुबह सहरी में ठंडा ही इसका सेवन भी आप कर सकते हैं।

घर पर ऐसे बनाएं ढाबे जैसी दाल फ्राई

पूरे विश्व में भारत एक ऐसा देश है, जहां अलग-अलग प्रकार के खाने के सामान मिलते हैं। यहां हर राज्य-हर शहर का खाना अलग होता है। खासतौर पर अगर बात करें दाल चावल की, तो ये ऐसा पकवान है, जिसे लोग लंच में सबसे ज्यादा खाना पसंद करते हैं। उत्तर भारत में तो दाल फ्राई एक बेहद ही पसंदीदा चीज मानी जाती है। किसी भी मौसम में अगर खाने में गरमागर्म दाल मिल जाए और उसके साथ चावल मिल जाएं, तो किसी और चीज की तो कमी लगेगी ही नहीं। दरअसल, ढाबे पर मिलने वाली फ्राई दाल हर किसी को पसंद आती है। ऐसे में हमारी रेसिपी की मदद से आप भी घर पर ये स्वादिष्ट दाल बनाकर अपने घरवालों को परोस सकती हैं। दाल फ्राई करने के लिए आप अपनी या अपने परिवार की पसंदीदा दाल ले सकती हैं।

सामग्री

चने की दाल - 150 ग्राम, टमाटर - 2, प्याज - 1, देसी घी - 2 बड़े चम्मच, अदरक, हरी मिर्च- 2, मसाले, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, नमक - स्वादानुसार, तेज पत्ता , लाल मिर्च , गरम मसाला - 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - 1 छोटा चम्मच, हींग - 1/8 छोटी चम्मच, जीरा - 1/2 छोटा चम्मच।

विधि

दाल फ्राई बनाने के लिए सबसे पहले चार से पांच घंटे के लिए दाल को भिगो कर रख दें। अच्छी तरह से इसे भिगोने के बाद कुकर में दो कप पानी, हल्दी और स्वादानुसार नमक डालकर इसको गैस पर चढ़ा दें। पहली सीटी आने के बाद गैस मीडियम कर दें और फिर 4 सीटी और लगने दें। जब ये पक जाए तो दाल को गैस से उतार कर निकाल लें। जब तक दाल ठंडी हो रही है, इसे फाई करने के लिए मसाला तैयार करें। इसका मसाला तैयार करने के लिए कढ़ाई में दो चम्मच घी डालकर गर्म करें। घी जब गर्म हो जाए तो उसमें तेज पत्ता डालकर भूनें। इसके बाद इस कढ़ाई में बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर सुनहरा होने तक सही से भूनें। मसाला भुन जाने के बाद इसमें कटे हुए टमाटर डालें। इसके बाद कढ़ाई में गरम मसाला, धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर सही से पकाएं। जब टमाटर गलकर मसालों में मिक्स हो जाए तो इस कढ़ाई में पकी हुई चने की दाल डाल दें। इसके बाद सबसे आखिर में एक पैन में घी गर्म करें। गर्म घी में लाल मिर्च, हींग और जीरा डालकर भूनें। बस दाल फ्राई तैयार है। इसे चावल या रोटी के साथ परोसें।

हंसना मना है

डॉक्टर : जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नहीं? मरीज : पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ : सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड : तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू : बताओ वो कौन सी औरत है जिसको सौ प्रतिशत पता होता है की उसका हसबैंड कहां हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा : नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा : मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नही कर सकते।

आदमी : सर, मेरी वाइफ घूम गई है, पोस्टमन : यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी : ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहा जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

कहानी

मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' उसके बच्चों ने कहा, 'हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा, 'क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा, 'ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

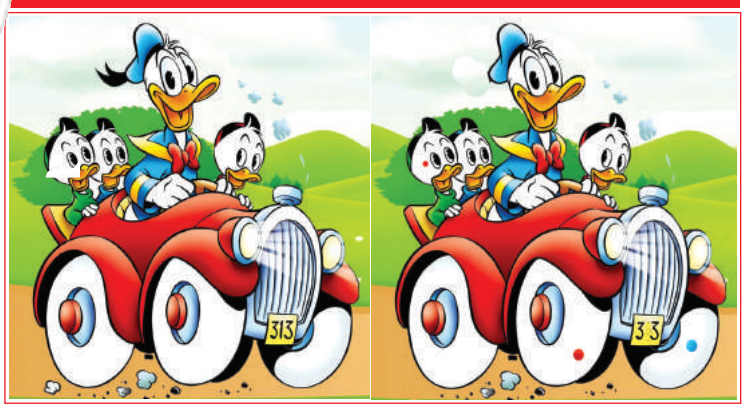

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी।

मिथुन

पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क

यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या

रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा।

तुला

ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है।

धनु

राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

मकर

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। यात्रा आज न करें।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन

बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी।

ट्विंकल से शादी पहले अक्षय कुमार का हुआ था तीन ब्रेकअप

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार को इंडस्ट्री का एक्शन हीरो कहा जाता है। इन दिनों एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर ट्रेंड में बने हुए हैं। ये फिल्म 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने होने वाली है। अब फिल्म की प्री-बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। हाल ही में अक्षय कुमार का एक इंटरव्यू सामने आया है जिसमें वो यूथ को बताते हुए नजर आ रहे हैं कि ब्रेक-अप के बाद उन्होंने कैसे खुद को संभाला है।

रवीना टंडन के पॉडकास्ट शो में जब एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार से उनके ब्रेकअप हैंडलिंग को लेकर सवाल किया। तो इसके जवाब में एक्टर ने कहा - ट्विंकल से शादी से पहले मेरे 2 से 3 ब्रेक-अप हुए हैं। इसके बाद जब एक्ट्रेस ने उनसे यंग्स्टर्स के लिए ब्रेक-अप से डील करने की एडवाइस मांगी। तो इसके जवाब में एक्टर ने अपनी ब्रेक-अप थेरेपी शेयर कर दी।

आग को पॉजिटिव वे में किया इस्तेमाल

एक्टर ने कहा जब मेरा ब्रेक-अप होता था तो मैं बहुत गुस्से में होता था। मेरे अंदर एक आग होती थी। मैंने अपनी उस आग को पॉजिटिव वे में इस्तेमाल किया है। मैं उस समय एक्सरसाइज में ज्यादा ध्यान लगाता था। इसके साथ ही एक्टर ने बताया कि मैं दबा के खाना खाता था। उन्होंने कहा कि एक मार्शल आर्टिस्ट इसी तरह से ब्रेक-अप के साथ डील करता है। बता दें अक्षय कुमार का नाम बॉलीवुड इंडस्ट्री की तीन एक्ट्रेसेज के साथ जुड़ा था। उनके अफेयर के चर्चे शिल्पा शेट्टी, पूजा बत्रा और रवीना टंडन के साथ चले थे। रवीना टंडन से तो एक्टर की साल 1995 में सगाई भी हो गई थी। इसके कुछ समय बाद दोनों एक्टर्स ने सगाई को तोड़ दिया था। साल 2001 में अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना से शादी कर ली थी। इस शादी से कपल के दो बच्चे हैं आरव और नितारा। अक्षय और ट्विंकल की बॉन्डिंग एक-दूसरे के साथ काफी अच्छी हैं। अक्सर दोनों एक दूसरे को पब्लिक प्लेटफॉर्म्स और सोशल गैदरिंग्स में सपोर्ट करते हुए नजर आते हैं। बात करें मिसेज फनी बोन्स की तो ट्विंकल अक्षय कुमार को ट्रोल करने का कोई भी मौका अपने हाथ से जाने नहीं देती हैं।

अविनाश मिश्रा के नए शो 'मीठा खट्टा प्यार हमारा' का प्रोमो रिलीज

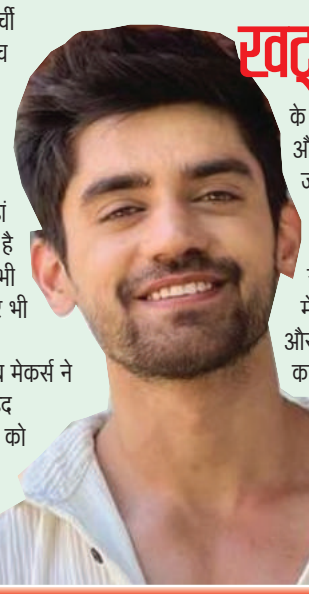

स्टार प्लस अब अपने नए सफर के साथ इस सिलसिले को जारी रखते हुए नया चैप्टर शुरू करने जा रहा है। नए शो मीठा खट्टा प्यार हमारा में बतौर लीड अविनाश मिश्रा और आर्ची सचदेवा नजर आने वाले हैं। पुणे के बैकड्रॉप पर यह कहानी सेट है। शो में एक लड़की साजिरी की कहानी है, जो दोस्ती के लायक है, भरोसेमन्द है, और हमेशा ही सब की बातें मानती है। क्या साजिरी कभी यह विश्वास करेगी कि वो अपनी जिंदगी और प्यार के मामले में स्टार बन सकती है? शो, मीठा खट्टा प्यार हमारा, साजिरी और शिवम (अविनाश मिश्रा) के रिश्तों की गहराईयों और टकरावों पर भी फोकस करेगी।

शो का मेन क्रक्स साजिरी को खुद को अंदर से बदलने की यात्रा है। मीठा खट्टा प्यार हमारा की कहानी एक सेल्फ कॉन्फिडेंस ट्रांसपोर्टेशन की जर्नी की है, की कैसे एक लड़की आम से खास बनने का सफर तय करती है। शो में साजिरी और साची (आर्ची सचदेवा) के बीच की दोस्ती की झलक भी देखने मिलेगी। ऐसे में दोनों सहेलियों में जहां साची खूबसूरत है वहीं साजिरी सभी के सामने होकर भी नहीं है।

ऐसे में अब मेकर्स ने शो के पहले बेहद कमाल के प्रोमो को रिलीज कर दिया है। प्रोमो के जरिए हमें साजिरी, शिवम और साची से इंट्रोड्यूस कराया जाता है, जिसमें वह पहली बार एक कैफे में मिलते हैं। इसमें हम देखते हैं कि किस तरह से साजिरी अपने अनोखे बोलचाल में अपनी सोच आगे रखती है और शिवम संग साची के इंप्रेस कर देती है। बता दें कि साजिरी अपनी कमजोरियों के बारे में जानती है, जो उसके लिए उस चीज को एक वरदान समझती है। भले ही उसमें भरोसे की कमी है, लेकिन कहीं न कहीं उसमें इस बात का यकीन है कि उसके लिए आने वाला समय अच्छा होगा। स्टार प्लस के शो मीठा खट्टा प्यार हमारा के शिवम उर्फ अविनाश मिश्रा कहते हैं, जैसा कि टाइटल से पता चलता है, शो मीठा खट्टा रोमांस कॉमेडी होने वाला है। हमने दर्शकों को शो की एक झलक के साथ शो के किरदारों से इंट्रोड्यूस कराया है। मेरा किरदार शिवम पॉजिटिविटी से भरा है और दर्शक इससे जुड़ जाएंगे। मैं खुश हूं कि मुझे लॉयल व्यूअर्स मिले हैं जिन्होंने मेरे काम की तारीफ की है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्मों के फ्लॉप होने पर एक्ट्रेस को ठहराया जाता है जिम्मेदार : कृति

कृति सेनन आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। कृति साउथ की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। हाल में उन्हें क्रू में अभिनय करते देखा जा सकता है। फिल्म को ऑडियंस को भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच एक्ट्रेस ने हालिया इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रसेस की हालात पर अपना
मीडिया के साथ बातचीत में कृति ने बताया कि उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में खुद को स्थापित करने की जर्नी बिलकुल भी आसान नहीं थी। एक्ट्रेस ने कहा, देखिए फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर फिल्मों की असफलता के लिए एक्ट्रसेस की जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। किसी भी फिल्म का हिट होना या फ्लॉप होना किसी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं रहता है। इसके लिए पूरी टीम जिम्मेवार होती है। आगे एक्ट्रेस कहती हैं की उन्होंने कई बार ट्रोलिंग का सामना किया है। उनके साथ कई बार ऐसा हुआ है कि उनकी कोई फिल्म फ्लॉप हुई है तो उसकी वजह उन्हें बताया गया है। एक्ट्रेस ने कहा, पहले मुझे इस बात से काफी तकलीफ होती थी, लेकिन अब मुझे फर्क नहीं पड़ता है। मुझे अब आदत हो गई है। फिल्म इंडस्ट्री और इंडस्ट्री के बाहर भी किसी भी चीज के लिए लड़कियों पर आरोप लगा देना आसान होता है। आप देख लीजिए क्रिकेट के मैदान से लेकर हर जगह असफलता के लिए लड़कियों को तुरंत लोग ब्लेम कर देते हैं। वहीं बात की जाए अगर क्रू तो फिल्म अब 50 करो? के क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म तीन केबिन क्रू की कहानी जो लंबे समय से सैलरी न मिलने के कारण काफी परेशान हैं। सैलरी नहीं मिलने पर तीनों एक गलत रास्ता अपनाने निकल पड़ती हैं। फिल्म में एयरलाइन इंडस्ट्री से जुड़े कई किस्सों का सच कॉमेडी के माध्यम से मिलने वाला है।

राजस्थान की ईडाणा देवी, जब खुश होती हैं मां तो करती हैं अग्नि स्नान

आज से चैत्र नवरात्रि शुरू हो गया है। शक्ति के उपासक देवी की आराधना में लोग लीन हों गये हैं। पूरे देश सहित राजस्थान में भी कई देवी मंदिर ऐसे हैं जिनके प्रति भक्तों में अगाध आस्था है। इसे लोग अंधविश्वास भी कह सकते हैं। उदयपुर में भी एक ऐसा ही देवी मंदिर है जिसके लिए कहा जाता है कि यहां देवी अग्नि स्नान करती हैं। मेवाड़ अपनी शौर्य गाथाओं के साथ आस्था और धर्म के ऐतिहासिक और पौराणिक किस्से और मान्यातएं अपने में समेटे हुए है। ऐसी ही मान्यता वाली है मेवाड़ की आराध्य देवी। ये अपने अग्नि स्नान के लिए पहचानी जाती हैं। इनके बारे में गहरी मान्यता ये है कि यहां आने से लकवा रोगी ठीक हो जाते हैं। ये हैं उदयपुर जिले के बम्बोरा गांव में विराजी ईडाणा देवी। इनकी विशाल प्रतिमा यहां स्थापित है। कहते हैं ये स्वयं अग्निस्नान करती हैं। जो भी भक्त अग्निस्नान के दर्शन कर लेता है माना जाता है माता उसकी मनोकामना जल्द पूरी कर देती हैं। अगर कोई लकवाग्रस्त व्यक्ति यहां आता है तो वह यहां से स्वस्थ्य होकर लौटता है। देवी इडाणा मां का यह मंदिर अलौकिक अग्नि स्नान के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। देवी मां का यह अग्निस्नान इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि कहते है यहां जब भी देवी मां प्रसन्न होती हैं तो अपने आप ही आग की लपटें उठने लगती हैं। इडाणा माता को स्थानीय राजा रजवाड़े अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते आए हैं। माता के इस मंदिर में श्रद्धालु चढ़ावे में लच्छा चुनरी और त्रिशूल लाते हैं। मंदिर में कोई पुजारी नहीं है। यहां सभी लोग देवी मां के सेवक हैं। यहां सभी धर्मों के लोग आते हैं। जो भी आता है वह देवी मां का सेवक बन जाता है। उदयपुर शहर से 60 किमी। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है। ये एकदम खुले चौक में स्थित है। यह मंदिर उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

अजब-गजब | धरती का नर्क कहा जाता है इस जेल को

यहां सड़ने को छोड़ दिए जाते हैं कैदी रोज होते हैं दंगे, जिंदा रहना मुश्किल!

दुनिया में खौफनाक जेल तो बहुत हैं। इस पर तरह तरह के दावे होते हैं कि इसमें सबसे खतरनाक और नर्क की तरह कौन सी जेल है। ब्रिटेन के एक शख्स का कहना है कि उसने दुनिया की सबसे खतरनाक जेल दक्षिण अमेरिका के बोलिविया में देखी है। उसे बोलिविया के ला पैज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जरा सी मात्रा में गांजा ले जाने के आरोप में पकड़ कर इस जेल में डाला गया था।

जॉन हेनशॉ ब्रिटेन के ग्रेटर मानचेस्टर, अथेर्टन के रहने वाले हैं। उन्हें नशीले पदार्थ की तस्करी के आरोप में सैन पेड्रो जेल में डाला गया था। जॉन को सुनवाई के दौरान इसी जेल में रखा गया था। यहां कैदियों को यातनाएं दी जाती हैं और चाकू घोपने की घटनाएं आम है। इस जेल के बारे में जॉन की पूर्व पत्नी और उनकी 15 साल की बेटी ने बताया कि वहां उनहें ना तो साफ पानी मिलाता था, ना ही साफ कपड़े, भोजन या कमरा मिला था। वहां जॉन को 30 दूसरे कैदियों के साथ जमीन पर सोना होता था और एक टॉयलेट को 120 लोगों के साथ शेयर करना पड़ा था, जब तक कि बिस्तर के लिए उन्होंने पैसे नहीं दे दिए। यह जेल केवल 600 लोगों के लिए बनवाई गई थी लेकिन अब बताया जाता है कि यहां करीब 3 हजार कैदी रहते हैं और एक सेल को कैदियों को खरीदना पड़ता है और उसके लिए मोटी रकम देनी होती है। यहां लंबे समय से रहने वाले कैदी और राजनैतिज्ञ सुइट्स में रहते हैं, जहां वाई फाई और जकूजी जैसी सुविधाएं तक होती हैं। वहीं दूसरी तरफ गरीब कैदी 15 मीटर ऊंची दीवारों के भीतर एक बर्फीले चक्रव्यूह में भूखे पड़े रहते हैं। इस जेल को अंदर से पूरी तरह से कैदी ही संचालित करते हैं जहां गार्ड कैदियों की आपराधिक गतिविधियों को देखते तक नहीं हैं। यहां अधिकांश कैदी नशीले पादर्थ के आरोपों में कैद हैं जो कोकीन फैक्ट्री चलते हैं या वहां काम करते हैं। यहां नशीले पदार्थ खाने की प्लेट से सस्ती होते हैं।

हिंसा सैन पैड्रो जेल में बहुत ही व्यापक स्तर पर फैली है और यहां नए आने वाले को ठगों का चाकू मार देना आम बात है और कई बार तो उन्हें उथले पानी में बिजली के झटके भी दिए जाते हैं। जॉन अभी तक यहां 50 दिन गुजार चुके हैं और उम्मीद की जाती है ऐसे मामले में लोग 90 दिनों में छूट पाते हैं। जॉन का परिवार उन्हें छुड़वाने के लिए भरसक कोशिश कर रहा है। वे जल्द से जल्द उनकी वापसी चाहते हैं। वे अब तक करीब सवा तीन लाख रुपयों खर्च कर चुके हैं जिसमें जेल में भेजे जाने वाले जरूरी सामान की कीमत तक शामिल हैं। उन्हें एक हैम, चीज टोस्टी और एक कटोरा शोरबा में दिन गुजारा करना होता है जिसकी कीमत रोज दूसरे कैदियों को अदा करनी होती है। जॉन को यह तक नहीं पता कि बाहर क्या हो रहा है क्योंकि वहां उनसे मिलने कोई नहीं आ सकता है। यह सुविधा केवल सेल वाले कैदियों को उपलब्ध है। वही दूसरी तरफ कई कैदी अपनी पत्नी, बच्चों और यहां तक कि पालतू जानवर तक को अपने साथ रहने के लिए जेल में ले आते हैं। जेल में हत्यारों और खूंखार अपराधियों के आसपास बच्चे खेलते रहते हैं।

अडानी समूह ईवी चार्जिंग का इन्फ्रास्ट्रक्चर करेगा मजबूत

अडानी टोटल एनर्जीज व एमजी मोटर इंडिया में साझेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल)और एमजी मोटर इंडिया ने भारत में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से देशभर के ग्राहकों को एमजी के ईवी चार्जिंग साल्यूशन और वैल्यू एडेड सर्विसेज का लाभ मिलेगा। साथ ही इससे भारत के तेजी से बढ़ते ईवी ईकोसिस्टम को एक मजबूत और बेहतरीन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में मदद करेगा।

इस समझौते के अनुसार एटीईएल एमजी डीलरशिप पर सीसी-2 60 किलोवाट डीसी चार्जर लगाएगी ताकि चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाया जा सके। यह साझेदारी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव सहित एक व्यापक समाधान प्रदान करेगी। इसी के साथ कंपनी एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से खोज, उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण, चार्जिंग और बिलिंग निपटान को कवर करते हुए निर्बाध उपभोक्ता अनुभव की सुविधा के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी स्थापित करेगी। कंपनी नेटवर्क दृश्यता और पहुंच बढ़ाने के लिए एपीआई का लाभ उठाकर विभिन्न प्लेटफार्मों पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को एकीकृत करने की क्षमता भी तलाशेंगी। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह सहयोग, अडानी टोटल एनर्जीज के सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क के रणनीतिक स्थानों, खासकर हवाई अड्डों जैसे स्थानों पर एमजी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ आरआईएफडी समाधानों के साथ ग्राहक अनुभव को बढ़ाएगा। एटीईएल थोक खरीद व्यवस्था के माध्यम से एमजी को आरएफआईडी कार्ड की पेशकश करेगा, जिसमें एमजी उपयोगकर्ताओं के लिए जरूरी छूट की पेशकश होगी।

एमजी कार्बन तटस्थता स्थिरता और हरित गतिशीलता के लिए प्रतिबद्ध : गौरव गुप्ता

एमजी मोटर इंडिया के मुख्य विकास अधिकारी, गौरव गुप्ता ने कहा, एमजी कार्बन तटस्थता, स्थिरता और हरित गतिशीलता के लिए प्रतिबद्ध है। यह रणनीतिक साझेदारी स्थायी गतिशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और एक मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से ईवी परिदृश्य में क्रांति लाने की हमारी दृष्टि को दर्शाती है। संयुक्त तालमेल का लक्ष्य भारतीय उपभोक्ताओं को विद्युत गतिशीलता अपनाने के लिए सशक्त बनाना है।

एटीजीएल हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में योगदान देगा : मंगलानी

एटीजीएल के ईडी और सीईओ, सुरेश पी मंगलानी ने कहा, कि दुनिया अधिक टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपना रही है और इलेक्ट्रिक वाहन इस संक्रमण में सबसे आगे हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अडानी टोटल एनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड और एमजी मोटर इंडिया की साझेदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह भारत के ऊर्जा संक्रमण को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रयास कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में योगदान देगा।

कोर्ट ने महुआ और उनके एक्स-पार्टनर को लगाई फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा और उनके पूर्व साथी जय अनंत देहाद्राई, जो सुप्रीम कोर्ट के वकील हैं, दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ अपने आरोपों पर सार्वजनिक चर्चा को काफी निचले स्तर पर ला दिया है।

न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की अगुवाई वाली पीठ जय अनंत देहाद्राई द्वारा महुआ मोइत्रा के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई कर रही थी, उन्होंने कहा कि जब उन्होंने उन पर यह आरोप लगाया कि उन्हें लोकसभा में प्रश्न पूछने के लिए एक व्यवसायी से नकद और उपहार मिले, तो उन्होंने इसे झूठा करार दिया। देहाद्राई की याचिका में कहा गया है कि मोइत्रा ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित किया है जो एक असफल व्यक्तिगत रिश्ते के कारण कड़वा हो गया है और अब बदला लेने के लिए झूठी शिकायतें दर्ज कर रहा है। वह निष्कासित लोकसभा सांसद को उनके खिलाफ अपमानजनक बयान देने और हर्जाने के रूप में 2 करोड़ रुपये की मांग करने से रोकने के लिए अंतरिम निषेधाज्ञा की मांग कर रहे हैं।

'देश को पीछे ले जाएगा कांग्रेस का घोषणापत्र'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मदुरै। लोकसभा चुनाव को लेकर देश की तमाम पार्टियों का प्रचार-प्रसार चरम पर है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में जारी कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र को लेकर देश की सबसे पुरानी पार्टी पर हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला एनडीए वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहता है, लेकिन इसके प्रमुख विपक्षी दल का घोषणापत्र भारत को पीछे ले जाता हुआ प्रतीत होता है। एनडीए सरकार का विजन 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस का घोषणापत्र भारत को पीछे ले जाएगा।

चार जून के बाद बीजेपी पूरे देश को बना देगी जेल

ममता बोलीं- मोदी की गारंटी का मतलब सभी विपक्षी नेताओं को सलाखों के पीछे डालना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के, चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने के वादे का अभिप्राय है कि विपक्षी नेताओं को लोकसभा चुनाव के बाद सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, भाजपा पूरे देश को जेल में तब्दील कर रही है।

उन्होंने गिरफ्तार तृणमूल नेताओं की पत्नियों से अपने पतियों के समर्थन में सड़क पर उतरने का आह्वान किया। देश में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और सात चरणों में होने वाले मतदान की शुरुआत 19 अप्रैल को पहले चरण से होगी जबकि चार जून को मतगणना होगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री चुनावी सभा को संबोधित करने पश्चिम बंगाल आ रहे हैं। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह से वह कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भ्रष्टाचार को लेकर विपक्ष के खिलाफ कार्वाई की जाएगी, वह अस्वीकार्य है।

पीएम की बातें लोकतंत्र के खिलाफ

ममता बनर्जी ने कहा, क्या इस तरह प्रधानमंत्री को बात करनी चाहिए? क्या होगा अगर मैं कहूं कि चुनाव के बाद भाजपा नेताओं को जेल में डाल दिया जाएगा? लेकिन मैं ऐसा नहीं कहूंगी क्योंकि यह लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। बनर्जी ने दावा किया, आपकी एक जेब में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) है जबकि दूसरी जेब में एनआईए और आयकर है। वे आपके सहयोगी हैं, जो हमें धमकाने के आदी हैं। लेकिन भाजपा हमें डरा नहीं सकती। तृणमूल नेताओं के घरों में कथित तौर पर रात में छापेमारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अब से अगर तृणमूल नेताओं को एजेंसियों ने गिरफ्तार किया तो उनकी पत्नियां सड़कों पर उतरेंगी। हम इन एजेंसियों से नहीं डरते।

जलपाईगुड़ी के तूफान पीड़ितों पर क्यों चुप रहे पीएम?

तूफान से प्रभावित जलपाईगुड़ी के लोगो के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोई राहत की घोषणा नही किए जाने को लेकर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार न तो घोषणा कर रही है और न ही हमे ऐसा करने दे रही है और दावा कर रही है कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा। ममता बनर्जी ने कहा, प्रधानमंत्री ने कल जलपाईगुड़ी मे जनसभा की। लेकिन उन्होने उन लोगो को राहत देने के लिए एक शब्द नही कहा जिन्होने तूफान की वजह से अपने परिजनो को खो दिया है या जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए है।

कोलकाता नाइटराइडर्स पर भारी पड़े सुपरकिंग्स

» चेन्नई ने कोलकाता को सात विकेट से दी पटखनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में सीएसके और केकेआर के बीच आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला गया। जहां चेन्नई सुपर किंग्स जीत की पटरी पर लौट आई। सीएसके ने लगातार दो मैच गंवाने के बाद केकेआर के खिलाफ 7 विकेट से बेहतरीन जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने चेन्नई को 138 रन का टारगेट दिया था। जिसे सीएसके ने 14 गेंद शेष रहते हुए चेज कर लिया।

वहीं इस दौरान ऋतुराज गायकवाड़ ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 58 गेंदों में 9 चौकों की बदौलत नाबाद 67 रन बनाए। वहीं चेन्नई के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने चार ओवर में महज 18 रन देकर तीन विकेट झटके। चेन्नई की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि केकेआर के लिए चार मैचों में यह पहली हार है। प्लेयर ऑफ द मैच' जडेजा ने अपनी शुरुआती आठ गेंद के अंदर अंगकृष रघुवंशी (18 गेंद में 24 रन), सुनील नारायण (20 गेंद में 27 रन) और वेंकटेश अय्यर (तीन रन) के विकेट के साथ केकेआर की पारी का रूख मोड़ दिया जिससे टीम नौ विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सीएसके ने 17.4 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रुतुराज ने 58 गेंद की पारी के दौरान नौ चौके लगाये। उन्होंने इस दौरान रचिन रविंद्र (15) के साथ पहले विकेट के लिए 20 गेंद में 27 जबकि डेरिल मिचेल (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 गेंद में 70 रन की साझेदारी की।

गायकवाड़ ने खेली उम्दा पारी

गायकवाड़ ने पांचवें ओवर में अनुकूल रॉय के खिलाफ कदमों और टाइमिंग का इस्तेमाल का तीन कलात्मक चौके लगाये। उन्होंने अगले ओवर में वैभव की गेंद पर लगातार दो चौके जड़े जिससे पावरप्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 52 रन हो गया। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आये डेरिल मिचेल ने नारायण के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर हाथ खोला। दोनों ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी करते हुए दौड़कर रन चुराने पर ध्यान दिया। रुतुराज ने 12वें ओवर में चक्रवर्ती की गेंद पर दो रन लेकर मौजूदा सत्र का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

कांग्रेस कुछ को नहीं सबको न्याय दिलाएगी : राहुल

» बोले- मोदी सरकार गरीबों, किसानों व छात्रों को नहीं देती मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राहुल गांधी आज कल मप्र के दौरे पर हैं। उन्होंने वहा पर कांग्रेस के चुनाव के अभियान को तेजी में ला दिया है। इसी क्रम में उन्होंने बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने अपने अपने संबोधन में कहा कि हम हर वर्ग को न्याय दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने कुछ चुनिंदा लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ किया है। लेकिन गरीब, किसान, छात्र जब कर्ज मांगते हैं, तब नरेंद्र मोदी कहते हैं- पैसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी अरबपतियों को पैसा दे सकते हैं, तो कांग्रेस पार्टी पिछड़ों, आदिवासियों, गरीबों को पैसा देगी। इसलिए हमारा सबसे क्रान्तिकारी कदम है- महालक्ष्मी योजना। जिसमें कांग्रेस पार्टी देश के हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपए देगी।

महुआ बीन रहीं आदिवासी महिलाओं से मिले राहुल गांधी

शहडोल में बिताई रात

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रात भर रुकेंगे। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। गांधी अपनी पार्टी के लोकसभा अभियान के लिए मध्य प्रदेश में हैं और उन्होंने मंडला और शहडोल में दो रैलियों को संबोधित किया, जहां 26 अप्रैल को मतदान होगा। हालांकि, कहा जा रहा है कि फ्यूल कम होने की वजह से हेलीकॉप्टर को रोकना पड़ा है। जबलपुर से अतिरिक्त फ्यूल मंगाया गया है। लेकिन मौसम खराब होने की वजह से फ्यूल आने में देरी होगी।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने नोटबंदी और गलत जीएसटी लागू कर छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया। नतीजा - देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। देश में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं, लेकिन मोदी सरकार युवाओं से ठेका मजदूरी करवाती है। इसलिए कांग्रेस की गारंटी है- हम युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान युवाओं ने मुझसे पेपर लीक की शिकायत की। इसलिए हम पेपर लीक के खिलाफ एक नया कानून लाएंगे और पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। राहुल गांधी ने कहा कि अमीर परिवार के बच्चे रोजगार पाने से पहले किसी बड़ी कंपनी में जाकर अप्रेंटिसशिप करते हैं, ट्रेनिंग करते हैं। इसलिए हमने कांग्रेस के मैनिफेस्टो में लिख दिया है- हम देश के सभी युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे। इस एक साल की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें 1 लाख रुपए की सैलरी भी मिलेगी।

ईडी ने चेन्नई में जफर सादिक के ठिकानों पर की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने चेन्नई समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा ये छापेमारी ड्रग्स माफिया जफर सादिक और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर की गई है। बता दें कि जफर पेशे से तमिल फिल्मों के प्रोड्यूसर हैं। उन्हें 2000 करोड़ की ड्रग्स की बरामदगी के बाद एनसीबी ने गिरफ्तार कर लिया था।

ड्रग्स तस्करी मामले में है आरोपी

जानकारी के मुताबिक डीएमके पार्टी से भी जफर जुड़े हुए थे लेकिन बाद में उन्हें निकाल दिया गया था। इसी सिंडीकेट मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मिलकर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड को 9 मार्च को गिरफ्तार किया था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस ने आरोपी तमिल फिल्मों के प्रोड्यूसर को जयपुर से गिरफ्तार किया था। सूत्रों के मुताबिक वो डीएमके पार्टी से जुड़ा था और उसने ड्रग्स का पैसा फिल्मों, होटल के साथ-साथ पार्टी को भी दिया था। जफर सादिक अब्दुल इकबाल, तमिल फिल्मों के जाने-माने प्रोड्यूसर हैं और वह डीएमके पार्टी की एनआरआई विंग के नेता भी थे। एनसीबी और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मिलकर उन्हें जयपुर से गिरफ्तार किया था। एनसीबी के मुताबिक जफर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है। एनसीबी ने 15 फरवरी को दिल्ली से इस सिंडिकेट से जुड़े 3 लोगों को गिरफ्तार किया था और 50 किलो पार्टी ड्रग्स बरामद की थी।

नैनीताल में गहरी खाई में गिरी पिकअप आठ लोगों की मौत

» भीषण सड़क हादसा, पुलिस बचाव कार्य में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नैनीताल। नैनीताल के पास बेतालघाट क्षेत्र के मल्ला गांव ऊंचाकोट मोटर मार्ग पर सोमवार देर रात एक पिकअप 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक समेत आठ लोगों की मौत हो गई। वाहन में सवार दो नेपाली मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको हायर सेंटर रेफर किया गया है।

थानाध्यक्ष अनीस अहमद ने बताया कि सोमवार देर रात पिकअप के खाई में गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन में चालक राजेंद्र कुमार (42) पुत्र हरिराम निवासी ओडाबासकोट के अलावा नौ नेपाली मजदूर सवार थे। सभी क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछाने का काम खत्म करने के बाद वापस लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले नेपाली मजदूरों के नाम और उनके घर का पता अभी नहीं चला है। घायलों के होश में आने के बाद ही कुछ जानकारी हासिल हो सकेगी।

फोटो:4 पीएम

नवरात्रि लखनऊ के कालीबाड़ी मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन पूजा करते लोग।

प्रदेश में आज हो सकती है बारिश, गर्मी से मिलेगी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मौसम की आंख मिचौली जारी है। बीते कई दिनों से धूप से परेशान रहने वाले लोगों को मंगलवार से राहत मिल सकती है। प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार को हल्की से भारी बारिश हो सकती है। कई जगह आंधी और गरज-चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। मंगलवार से नवरात्र भी शुरू हो गए है।

मौसम विभाग मंगलवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज-चमक के साथ बौछारों के आसार जता रहा है। 10 और 11 अप्रैल को प्रदेश के कई इलाकों में बूंदाबांदी की संभावना भी है। कुछ जगह पर बारिश भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक,फिलहाल अगले हफ्ते की शुरुआत भी इसी तरह होने के आसार हैं।

एडीआर का खुलासा- पहले चरण के चुनाव की आठ सीटों पर उतरे 80 प्रत्याशियों का ब्यौरा

सबसे अमीर प्रत्याशी बीजेपी व बसपा के पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव सुधारों पर काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण के देश भर के प्रत्याशियों का वित्तीय, आपराधिक और शैक्षणिक विवरणों की रिपोर्ट जारी कर दी। इसमें यूपी में पहले चरण के चुनाव की 8 सीटों पर उतरे 80 प्रत्याशियों का ब्यौरा भी दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण पर देश भर में सबसे ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा, सहारनपुर के बसपा प्रत्याशी माजिद अली करोड़पति प्रत्याशियों की फेहरिस्त में देश में पांचवें स्थान पर हैं। वहीं करोड़पति प्रत्याशियों को टिकट देने में बसपा पहले स्थान पर है।

नगीना के उम्मीदवार चंद्रशेखर आजाद पर दर्ज हैं सर्वाधिक मुकदमें

देशभर के टॉप-100 करोड़पति प्रत्याशियों की बात करें तो इनमें यूपी के 11 प्रत्याशी शामिल हैं। सहारनपुर के बसपा प्रत्याशी माजिद अली 159 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देशभर में पांचवें स्थान पर हैं। वहीं सहारनपुर की निर्दलीय प्रत्याशी तस्मीम बानो 78 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ 19वें, पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद 29 करोड़ के साथ 46वें, बिजनौर में बसपा प्रत्याशी विजेंद सिंह 28 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ 48वें स्थान पर हैं। इसी तरह मुरादाबाद की सपा प्रत्याशी रुचि वीरा 28 करोड़ की संपत्ति के साथ 50वें, मुरादाबाद से ही बसपा प्रत्याशी मोहम्मद इरफान 26 करोड़ की संपत्ति के साथ 52वें, मुजफ्फरनगर के बसपा प्रत्याशी दारा सिंह प्रजापति 21 करोड़ की संपत्ति के साथ 58वें, मुजफ्फरनगर में राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी (सत्या) की प्रत्याशी कविता 21 करोड़ की संपत्ति के साथ 60वें स्थान पर हैं।

इसके अलावा नगीना में भाजपा प्रत्याशी ओमकुमार 19 करोड़ की संपत्ति के साथ 66वें, मुरादाबाद के भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह 16 करोड़ की संपत्ति के साथ 77वें और मुरादाबाद की निर्दलीय प्रत्याशी साधना सिंह 16 करोड़ की संपत्ति के साथ 78वें स्थान पर हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।